श्री तम्बोला, सदस्य प्र.प. :- यह ठीक बात है । नया प्लांटेशन के लिए, नया प्लांटेशन के लिए आदमी गया नहीं, लिया गया तो आदमी को काम नहीं दिया . . . . . . {अस्पष्ट} . . . . नया प्लांटेशन के लिए आदमी को दे दिया गया, तो उसको काम नहीं दिया, अभी भी देता है ।

प्रशासक {अध्यक्ष} :- बहुत खराब बात, बहुत खराब बात । मैं मानता हूँ, आपकी बात अभी हमको बताना है कि वो आदमी कौन है । दो आदमी को हमने बोला था, नौकरी देने के लिए, उन दोनों को मेरे को बता दिया गया कि नौकरी मिल गया ।

श्री तम्बोला, सदस्य प्र.प. :- अभी तक नहीं . . . . . {अस्पष्ट}

प्रशासक {अध्यक्ष} :- अच्छा ठीक है साहब, हम उधर आपके पास आएंगे, ठीक है । उधर बैठकर बात करेंगे यह सारा । आपको मैं विश्वास दिलाता हूँ कि सबको बता दोगे, कोई चीज भी जो आप चाहते हैं, वो हर हालत में होएगा । ठीक है ।

श्री तम्बोला, सदस्य प्र.प. :- साहब . . . . लड़का लोग बहुत पुलिस का लिए हम लोग दो तीन आदमी देते है ।

प्रशासक {अध्यक्ष} :- हाँ आपको पुलिस में पुलिस के लिए आदमी आपका तैयार है ?

श्री तम्बोला, सदस्य प्र.प. :- हाँ

प्रशासक {अध्यक्ष} :- हाँ, तो ठीक है, तो जो दो आदमी आप हमको देना चाहते हो, वो पुलिस में हम लेंगे । ठीक है, ओ.के. । जब हम उधर आते हैं, तो वो अपने साथ पुलिस के सुपरिटेंडेंट साहब को भी लेकर आएंगे । वो उधर पर उसका सब छाती वाती देख लेगा, भर्ती कर देगा, ठीक है पहले आदमी तैयार करना है । ओ.के. धन्यवाद थैंक यू । . . . .

श्री मनोरंजन भक्त, सदस्य प्र.प. :- मेरे बात का जवाब देंगे

प्रशासक {अध्यक्ष} :- आएंगे तब देंगे । . . . . .

श्री के. कण्डास्वामी :- मेम्बरान श्री भक्ता जी श्री पी.के. डेविड, श्री दुलाल चन्द्र
वित्त पार्षद
राय, श्री के.सी. विश्वास, श्री गोडविन सुरीन, श्रीमती जय प्रभा, श्री तम्बोला, श्री परितोष कुमार हलदार और श्री स्वरूप लाल जी, सभी मेम्बरान इसमें डिस्कशन में भाग लिया है । खास करके भक्ता जी ने . . . . . पोइंट आउट किया है . . . . साहब ने भी . . . . कुछ करेगा और साथ साथ भक्ता जी का एक सजेशन है . . . .